ग्रामोदय मेला में शाम ढलते ही रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू हो जाता था. उस दौरान देश के प्रसिद्ध लोक कलाकारों द्वारा पारम्परिक लोककला का मंचन होता था.